लेख 3

कोरोना त्रासदीः वंचित खासकर संक्रमण संभावित लोगों की पहचान, चुनौतियां व मदद

आज हम सभी कोविड–19, कोरोना वायरस से उत्पन्न विभिन्न चुनौतियों से जूझ रहे हैं। इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए ये लेख श्रृंखला जारी की गई है। इन लेखों में कोरोना महामारी और स्वास्थ्य, जेण्डर, व सामाजिक न्याय से जुड़े विभिन्न विषयों पर समसामयिक जानकारी व पुरूषों की भूमिकाओं को सामने लाने का प्रयास किया गया है

नये दौर की नई बातें

कोरोना महामारी और स्वास्थ्य, जेण्डर, व सामाजिक न्याय पर लेख श्रृंखला

एक साथ राष्ट्रीय अभियान
एवं
मित्र
मेन्स इनीसिएटिवस फॉर ट्रांसफार्मिंग रिलेशनसिप थ्रू एक्शन

लेख 3

कोरोना त्रासदीः वंचित खासकर संक्रमण संभावित लोगों की पहचान, चुनौतियां व मदद

हम सभी लोग बेहतर शिक्षा, व्यापार और रोजगार के लिए दूसरे शहरों, राज्यो या विदेश यात्रा करते हैं। कोरोना जैसी वैश्विक त्रासदी के दौरान अब जबकि उनमें से कुछ लोग अपने घरों को लौट आये हैं। इस वापसी के दौरान हो सकता है कि वे भी इस त्रासदी से प्रभावित हो गये हों। यदि कोरोना से प्रभावित बच्चें और महिलाएं खासकर एकल, गर्भवती या धात्री महिला हों या परिवार में कमाने वाला कोई व्यक्ति हो तो उनकी तथा परिवार के बाकी सदस्यों की परेशानियां और भी ज्यादा बढ़ जाती हैं। कोरोना वायरस से कोई भी व्यक्ति प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से प्रभावित हो सकता है।

इस त्रासदी में स्थानीय स्तर पर वंचित समुदाय (गरीब, बेघर, दलित, आदिवासी, एकल महिलाएं व पहले से चल रहे बीमार लोगों) को अनेक तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है क्योकि सबसे ज्यादा पलायन भी इन्ही समुदायो से होता है। संचार क्रांति के बावजूद उनकी अपनी भाषा में सही व पूरी जानकारी नही मिल पा रही है। जीवनयापन के लिए मूलभूत सेवाओं की कमी है तथा सरकारी सेवाओं तक पहुंच नही है। इसी प्रकार स्थानीय स्तर पर उपयुक्त व पर्याप्त स्वास्थ्य सेवाओं की कमी, पुराने अनुभवों के आधार पर स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं का भेदभावपूर्ण व्यवहार, सामाजिक लांछन, आवास व रहने के लिए सीमित जगह, ज्यादातर परिवारों में सभी सदस्यों के लिए एक ही शौचालय का प्रयोग, पुरूषों की भूमिका को केवल पैसा कमाने के रूप में देखना, जाति व धर्म आधारित पूर्वाग्रह, किसी एक व्यक्ति के कोरोना वायरस संक्रमित होने के आधार पर पूरे परिवार या गांव को प्रतिबंधित करना आदि प्रमुख चुनौतियां सामने आ रही हैं।

उपरोक्त चुनौतियों तथा पूरे देश में लॉक डाउन के बावजूद यदि आपके परिवार या नजदीकी कोई भी ऐसा व्यक्ति हो तो संवेदनशील नागरिक होने के नाते हम क्या कर सकते हैं –

- यात्रा से वापस आने, किसी भी संभावित संक्रमित व्यक्ति के सम्पर्क में आने वाले व्यक्ति को स्वतं कम से कम 14 दिनों के लिए परिवार के अन्य सदस्यों से अलग रहने के लिए प्रेरित करें। परिवार के सदस्यों को आपस में कम से कम एक मीटर की दूरी बनाये रखने, मास्क या साफ कपड़े से मुंह व नाक को ढ़ककर रखने, हाथों को नियमित साबुन से धोते रहने व घर की साफ–सफाई रखने के लिए कहें। (स्रोतः स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार)
- कोरोना वायरस संक्रमण संभावित व्यक्तियों की पहचान (सिर दर्द, खांसी, मांसपेशियों में दर्द, बुखार और थकान, सांस लेने में परेशानी स्रोतः विश्व स्वास्थ्य संगठन एवं स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार) करें।
- सरकार द्वारा जारी हेल्प लाईन नं0, नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र का नं0, समुदाय स्तरीय स्वास्थ्य कर्मियों व पंचायत प्रतिनिधियों का सम्पर्क नं0 संक्रमण संभावित व्यक्ति व उसके परिवार को उपलब्ध करा दें तथा स्वास्थ्य कर्मियो से फोन पर तुरन्त सलाह लेने हेतु प्रेरित करें।
- नजदीकी स्वास्थ्य कर्मी (डाक्टर, एनम, आंगनबाडी कार्यकत्री, आशा), जिला प्रशासन या पंचायत प्रतिनिधियों को इसकी सूचना दें।
- सम्बंधित व्यक्ति या परिवार को डराये नहीं और न ही उसके बारे में किसी भी

तरह की अफवाह न फैलायें और न ही प्रचार–प्रसार करें। यदि कोई व्यक्ति ऐसा करता हैं तो उसे रोकने का प्रयास करें तथा जरूरत पड़ने पर पुलिस की मदद लें।

- कोरोना वायरस संक्रमण संभावित व्यक्तियों के साथ यदि किसी भी तरह की मानसिक या शारीरिक प्रताड़ना हो रही हो तो उसे रोकने का प्रयास करें तथा जरूरत पड़ने पर पुलिस को सूचित करें।
- कोरोना वायरस संक्रमण संभावित व्यक्तियों के साथ अपरिचितो जैसा व्यवहार न करें तथा सम्बंधित व्यक्ति व परिवार के सदस्यो को हिम्मत दें। लगातार उनसे बात करते रहें तथा उनके लक्षण के आधार पर स्वास्थ्य कर्मियों को जानकारी उपलब्ध कराते रहें।
- यदि स्वास्थ्य कर्मी अस्पताल चलने या घर में खून जांच हेतु कहे तो इसके लिए आप संक्रमण संभावित व्यक्ति को प्रेरित करें तथा परिवार की मदद करने का आश्वासन दें।
- संक्रमण संभावित परिवार के लिए जरूरी मदद (राशन, चिकित्सा आदि) उपलब्ध करने में भागीदार बनें।
- अगर स्वास्थ्य कर्मी किसी के घर या गांव में आते हैं तो उनका सहयोग करें और किसी तरह की भीड़ न लगायें।
- जब स्वास्थ्य विभाग की टीम आयें या आप संक्रमण संभावित परिवार की कोई मदद करें तो उसका कोई वीड़ियों न बनाये।
- किसी भी स्वास्थ्य कर्मी के बारे में गलत व भ्रामक जानकारी न फैलायें और न ही अवरोध उत्पन्न करें।
- संक्रमण संभावित व्यक्ति तथा स्वास्थ्य कर्मियों की गरिमापूर्ण जीवन जीने और व्यक्तिगत स्वाधीनता का सम्मान करें।

महेन्द्र कुमार
मित्र